दुआ-ए-सबा की इफ़ादियत

जनाब साहिबुल अम्र अलैहिस्सलाम (अज्जलल्लाहु फ–रजहुम) से मंकूल है कि दुश्मनों के दूर करने, उनकी रूस्वाई, सेहर को बे असर बनाने और मक़ासिदे दीनी व दुनयवी पूरा होने के लिए यह दुआ बड़ी इफ़ादियत रखती है, इस दुआ–ए–मुबारका को पिछली शब में पढ़ना बहुत मुनासिब है कियों कि वह वक़्त कुबूलियते दुआ के लिए मख़सूस है व सूरते दीगर ज़रूरत के लिए हर वक़्त पढ़ सकते हैं।

दुआए सबा

दुआ-ए-सबा

बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम
इबतिदा अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान और निहायत रहम करने वाला है।

फ़-औज-स फ़ी नफ़्सिहि
अब मूसा ने अपने दिल में कुछ ख़ौफ
ख़ीफ़त्म्मूसा कुल्ना ला
महसूस किया हमने कहा डरो नहीं
तख़ाफ़ इन-न-क अन्तल
यक़ीनन तुम ग़ालिब आने वाले हो जो
अअ़ला व अल्क़ि मा फ़ी
कुछ तुम्हारे हाथ में है उसे डाल दो कि
यमीनि-क तल्क़ फ़
निगल जाए उसको जो कुछ बनाया है
मा-स-न-अू इन्नमा स-न-अू
उन्होंने तो वह जादूगरों का करतब है
कैदु साहिरिन वला युफ़्लिहुस
और जादू उसके सामने कामयाब नहीं हो
साहिरु हैसु अता० फ़उल्क़ियस
सकता पस वह सब जादूगर मजबूरन

कुल्लि शैइन मिन सिहरि
गया मैं पनाह मांगता हूं अपने और अपने
कुल्लि साहिरिन व ग़द्दरि
अलावा हर शै के परवरदिगार ख़ुदा के
कुल्लि ग़ादिरिन व मक्रि
साथ हर जादूगर के जादू से और हर
कुल्लि माकिरिन व मिन शर्रि
फ़रेब देने वाले के फ़रेब से और हर चाल
कुल्लि साम्मतिन व
चलने वाले की चाल से और हर
हाम्मतिन व लाम्मतिन व
ज़हरदार कीड़े के ज़रर से और हर नज़रे
मिन कुल्लि ज़ी शर्रिन
बद से और हर शर पहुंचाने वाले के शर
वस्तक्लाबि कुल्लि ज़ी
से और हर हमला आवर के हमले से
सौलतिन व ग़-ल-ब-ति
और हर दुश्मन के ग़लबे से और हर
कुल्लि अदुव्विन व शमातति
पोशीदा दुश्मनी रखे वाले की समातत

दुआए सबा

स-ह-र-तु सुज्जदन क़ालू
सजदे में गिर पड़े और कहने लगे हम
आमन्ना बिरब्बी हारू-न व
हारून और मूसा के रब पर ईमान लाये
मूसा० फ़ गुलिबू हुनालि-क
पस वह सब लोग इस मौक़ा पर मग़लूब
वंक़-ल-बू साग़िरीन० फ़ व-क़-
हुए और ज़लील होकर वापस गये और
अ़ल हक्कु व ब-त-ल मा कानू
इस तरह हक़ साबित हो गया और जो
यअ़मलून फ़ औहैना इला मूसा
अमल वह कर रहे थे वह सब बातिल हो
अनिज़्रिब बि अ़साकल बह्-र
कर रह गया चुनांचि हमने मूसा को वही
फ़ंफ़-ल-क फ़ क़ा-न कुल्लु
की और मूसा ने अपने असा को समन्द्र
फ़िरक़िन कत़्त़ौदिल अ़ज़ीम०
पर मारा तो वह फट गया और उसका
अुज़्तु बिल्लाहि रब्बी व रब्बि
हर टुकड़ा बड़े पहाड़ की मानिन्द हो

कुल्लि काशिहिन अद्रउ
से। मैं उन सब का दफ़इया अल्लाह के
बिल्लाहि फ़ी नुहूरिहिवं व
ज़रिया से करता हूं। और उनकी बदयों
अस्तअ़ीजु बिल्लाहि मिन
से बचने के लिए अल्लाह ही से पनाह
शुरूरिहिम व अस्तअ़ीनु
मांगता हूं और उनके ख़िलाफ़ अल्लाह
बिल्लाहि अ़लैहिम तदर्अतु
ही से मदद मांगता हूं और उनके
बि हौलिल्लाहि मिन
मददगारों से बचने के लिए मैंने अल्लाह
नक़्लतिहिम व तहस्सन्तु
तआला की क़ुदरत की ज़िरा पहन ली है
बि क़ुव्वतिल्लाहि मिन
और मैं उनकी फ़ौजों से महफ़ूज़ रहने के
जुनूदिहि व दफ़अ़तुहुम अ़न्नी
लिए ख़ुदावन्द आलम की क़ुव्वत के
बि दिफ़ाअ़िल्लाहिल काहिरि
क़िले में आ गया हूं और ख़ुदावन्द

दुआए सबा

व सुल्तानिहिल बाहिरि व
आलम के ज़बरदस्त दिफा के ज़रिया
रमैतुहुम बि सह्मिल्लाहिल
और उसके ज़ाहिर ग़लबा के बाइस मैंने
क़ातिलि व सैफ़िहिल क़ातिअ़
उन सबका दफ़इया कर दिया है और
अख़ज़्तुहुम बि बत़्शिल्लाहि व
उनके ऊपर क़त्ल कर देने वाला ख़ुदाई
त़-रत्तुहुम बि इज़्निल्लाहि व
तीर लगाया और टुकड़े उड़ा देने वाली
फ़र्क़तुहुम बि हौलिल्लाहि
ख़ुदाई तलवार चलाई है मैंने ख़ुदाई
मज़्ज़क़तुहुम तम्ज़ीक़न बि
ताक़त से उनकी गिरफ़्त की और हुकमे
क़ुव्वतिल्लाहि शतत्तुहुम
ख़ुदा से उनको निकाल दिया और
तश्तीतन बिमंअतिल्लाहि
क़ुदरते ख़ुदा से उनमें फूट डाल दी और
वला हौ-ल वला क़ुव-व-त
क़ुदरते ख़ुदा से उनके परख़चे उड़ा दिये

अलैय-य बि जलालिल्लाहिल
मुझ पर ज़्यादती की ख़ुदाए ताला के पुर
अम्नअि वला हौ-ल वला
ज़ोर जलाल के साथ मैंने उसको दफ़ा
क़ुव-व-त वला मन-अ-त
किया और बग़ैर ख़ुदावन्द बुज़ुर्ग व बरतर
वला औ-न वला नस-र
के सहारे के न किसी में कोई क़ुदरत हो
वला ऐ-द वला इज़्-ज़-त
सकती है और न ताक़त न हिफ़ाज़त न
इल्ला बिल्लाहिल अलीय्यल
नुसरत न मदद न ताईद न ग़लबा और
अज़ीम० व सल्लल्लाहु अला
न ही ख़ुदावन्द व बुज़ुर्ग व बरतर के
सैय्यिदिना व नबिय्यिना
बग़ैर इज़्ज़त ही नसीब हो सकती है और
मुहम्मदिन व आलिहि-त-ता
ए अल्लाह हमारे सरदार और हमारे नबी
हिरीन० हज़्म्तुल अहज़ा-ब
(हज़रत) मुहम्मद मुस्तफा (सल्लल्लाहु

दुआए सबा

इल्ला बिल्ला हिल अज़ीम०
ख़ुदाई ज़ोर से उनके शीराजा को
ग़लब्तु मन नावानी बि
मुंतशिर कर दिया और ख़ुदाए बुज़ुर्ग व
जुन्दिल्लाहिल अग़्लबि व क़ुव्वतु
बरतर के सहारे के बग़ैर किसी में क़ुदरत
मन आदानी बि
और क़ुव्वत है ही नहीं और जिसने मुझसे
सुल्तानिल्लाहिल अक्बरि व
बदी करने का इरादा किया मैंने ख़ुदाए
दम्मर्तु मन क़-स़-दनी बि
ज़ुल ज़लाल की बे पनाह ताक़त के
हौलिल्लाहिल अज़ीमि व
साथ उसको तबाह व बर्बाद कर दिया
तबर्रअतु मन आज़ानी बि
और जिसने मुझको ईज़ा दी ख़ुदावन्द
अरिज़्ज़ल्लाहिल अस्रअि व
क़ुद्दूस की तेज गिरफ्त के साथ मैंने
द-फ़अ तु मनिअ तदा
उसको हलाक कर दिया और जिसने

बि सत़्वति़ल्लाहि क़ज़फ़्तु
अलैहि व आलिहि व सल्लम) और उनकी
फ़ी क़ुलूबिहिमुर रुअ़-ब बि
आले पाक पर अपनी रहमत नाज़िल
इज़्निल्लाह सलत्तु अला
फ़रमा। मैंने ख़ुदा–ए– ताला के दबदबा
अफ़्इदतिहिमुर रौ-अ़ बि
से अफ़वाज को शिकस्त दे दी और
इज़्ज़तिल्लाहि व फ़र्क़तुहुम
ख़ुदावन्द आलम के ग़लबा से उनके
तफ़रीक़न बि सुल्त़ानिल्लाहि
दिलों पर ख़ौफ़ मुसल्लत कर दिया
मज़्ज़क़तुहुम तम्ज़ीक़म बि
ख़ुदावन्द आलम की जबरूत से उनमें
क़ुव्वतिल्लाहि दम्मरतुहुम
फूट डाल दी, ख़ुदावन्द आलम की
तदमीरा बि क़ुदरतिल्लाहि
क़ुव्वत से उनके परख़चे उड़ा दिये
अख़ाज़तु अस्माअहुम व
ख़ुदावन्द आलम की क़ुव्वत से उनको

दुआए सबा

अबसार-हुम व जवारिह़हुम व
तबाह कर दिया मैं ने उनके कानों,
अरकानहुम बि बत़्शिल्लाहिल
आंखों और उनके हाथ पाओं की कुव्वतों
क़वीय्यिश्शदीद० व
को ख़ुदा–ए–क़वी व ज़बरदस्त की
शिद्दतिहि व दफ़अ़तुहुम
ज़बरदस्त गिरफ़्त से सलब कर लिया
अ़न्ना बि हौलिल्लाहिल
और ख़ुदा–ए–बुज़ुर्ग व बरतर की मज़बूत
अ़लिय्यिल अ़ज़ीम० व
ताक़त से उन लोगों को अपने से दफ़ा
क़ुव्वतिहि व हज़मत्हुम व
कर दिया और उनको और उनकी
जुनूदहुम व अब्त़ालहुम व
टौलियों को और उनके बहादुरों को,
शुज्आ़नहुम व अंसारहुम व
उनके पहलवानों को, उनके मददगारों
अअ़वानहुम बि ऐदिल्लाहिल
को, उनके साथियों को ख़ुदा–ए–ताला

मतीन व नसिरल्ला हिल मतीन
की ज़बरदस्त ताईद और उसकी खुली
महजूमी-न मरअूबी-न
मदद से शिकस्त दे दी इस हालत में
ख़ाईफ़ी-न ख़ाईबी-न मख़्सूई
कि अब वह शिकस्त खूर्दा हैं, मरअूब हैं,
न मग़लूबीन मक्सूरी-न
ख़ौफ़जदा हैं, नाकाम हैं, ज़लील हैं,
मअसूरी- न मब्हूरी-न मक़्हूरी-न
मगलूब हैं, शिकस्ता हैं, कैदी हैं, शश्दर
मक़हूरीन अल्लाहुम्मद्
हैं और हर तरह पस्त हैं, या अल्लाह तू
फ़अ़हुम अ़न्ना बि हौलि-क
उन सब लोगों को अपनी सतुव्वत के
व क़ुव-व-ति-क व बत्शि-क
ज़रिया से मुझसे दूर रख कि परेशान
व सत्वति-क मुफ़रक़ी-न
और प्रागंदा रहें हैरान पस्त ज़लील
मुमज़्ज़क़ी-न मब्हूरी-न
ज़बरदस्त रहें और हर तरह का नुक़्सान

दुआए सबा

मक्हूरी-न मक्हूरी-न
उठायें कोई उनकी मदद न करे वह
मद्हूरी-न मज़्अूरी-न
मग़लूब रहें हक्का बक्का रह जायें और
साग़िरी-न ख़ासिरी-न
मंहूस समझे जायें उनकी हालतें बदल
मख़्ज़ूली-न मग़लूबी-न
जायें, बरगश्ता रहें, जहां जाना चाहें
मब्हूती-न मश्मूती-न
नाबीना रहें अगर आना चाहें रास्तें ही में
मु-त-बद्दिली-न ताइही-न
अपने ठिकाने पर चक्कर काटते रहें,
फ़ी जबाबिहिम आ़मिहीन फ़ी
जल्द हलाकत में पड़ जायें अपने जिस्म
अयाबिहिम हाइरीन फ़ी
की बलाओं में मश्ग़ूल रहें, उनके बदन
मआबिहिम साइरीन फ़ी
तरह तरह से ज़ख़्मी हों, रायों में उनकी
तबाबिहिम मश्ग़ूली-न बि
तरह तरह के फ़तूर पड़ें, उनकी गदनें

मत्बूअ़न अ़ला कुलूबिहिम

उनके हाथ पाओं कस दिये जायें, या

मख़्तूमन अ़ला अफ़्इदतिहिम

अल्लाह तेरी ही मदद से उनकी सब

मग़्शियन अ़ला अब्सारिहिम

तदबीरें बेकार हो सकती हैं और उनके

म अ़ क़ूदन अ़ला

शर से बचने के लिए तेरी ही पनाह काम

अलसि-न-तिहिम मरबूतन

आ सकती है और उनके खिलाफ़ तुझसे

अ़ला अह्लामिहिम व

ही फ़रयाद की जा सकती है, या

अफ़्हामिहिम मशदूदन अ़ला

अल्लाह तू अपनी तेज गिरफ़्त से उनके

ऐदीहिम व अरजुलिहिम

पकड़ ले, और उन पर अपना अज़ाब

मुस्तअ़ाज़म बि-क मिन

मुसल्लत फ़रमा कि वह उनको रूला

शुरूरिहिम मुस्तग़ासम बि-क

रूला दे, वह ऐसे दूर किये जायें और

दुआए सबा

अन्सादिहिम मक्लूमीन फ़ी

मारी जायें, वह तीरअंदाजी करने में

अब्दानिहिम मज़रूही-न फ़ी

माज़ूर हो जायें, और उनका मक़सद पूरा

आराइहिम मज़रूबी-न

न हो, उनको आते जाते ऐसे ढक्के पड़ें

बिरिकाबि हिम ममनूअ़ीन

कि वह मुंह के बल गिरें, जिधर का रूख

अ़न सिहामिहिम मरदूअ़ीन

करें उन पर ताने पड़ें, जहां जमा हों

अ़न मरामिहिम मज़बूही-न

उनका शीराजा मुंतशिर हो, उनके दिलों

फ़ी कर्रतिहिम मस्रूअ़ी-न

पर छाप लग जाये अकलों पर मोहर लग

अ़न वज्हतिहिम शमातन

जाये, उनकी आंखों पर पर्दे पड़ जायें,

मिम मु-त-वज्जिहिहिम

उनकी ज़बानों में गिरह लग जाये उनकी

शतातन अ़न मुज्तमिअ़िहिम

अक़्लें और फ़िक्रें बांध दी जायें और

अ़लैहिम अल्लाहुम-म फ़ख़ुज़्हुम
ऐसे रोक दिये जायें कि दिल ही दिल में
अख़्ज़कस्सरीअ़ व सल्लित
घुटते रहें, अपने मुंह और नथनों के बल
अ़लैहिम बअसकल फ़जीअ़
खींचे जायें और उन्हीं की बटी हुई
मद्फ़ूअी-न मस्रूअी-न
रस्सियों से उनका गला घूंटा जाये,
मज़्अूरी-न फ़ी अंफ़ुसिहिम
ज़ंजीरों में क़ैद हों उनके गलों में तौक़
मस्हूरी-न फ़ी अब्शारिहिम
पड़े हों, बेड़ियों में जकड़े हुए हों, बलाओं
मक्बूबी-न अ़ला वुजूहिहिम
के हथोड़ों से कूटे जायें और मौत की
व मनाख़िरिहिम मख़्नूकी-न
बिजलियां उनके ऊपर गिरें, उनकी
बि हि बालिहिम व
नसलें मुंकता हो जायें, उनके बाकी रहने
औतारिहिम मुक़्रियदी-न
वाले हमेशा रोते पीटते और बद हाल रहें

दुआए सबा

बिस्सलासिलि मुक़्बिली-न
उन में के लूटने वाले ख़ूब लुट जायें,
बिल अग़्लालि मुक़र्रिनी-न
उनके ग़ालिब मग़लूब हो जायें, ऐ तमाम
फ़िल अस्फ़ाद० मत्रूकी-न बि
मुसीबतों के वक़्त मौजूद रहने वाले, वह
मतारिक़िल बलाया
कौन है जो मुजतर की दुआ क़ुबूल
मस्अूकी-न बि सवाअ़िक़िल
करता है, जिस वक़्त भी वह दुआ मांगे?
मनाया मक़्तूअ़न दाबिरुहुम
अल्लाह लिख चुका है कि मैं और मेरे
मफ़्जूअ़न ग़ाबिरुहुम मस्लूबन
रसूल ज़रूर ग़ालिब आ जायें यक़ीनन
सालिबुहुम मग़्लूबन
अल्लाह क़ुव्वत वाला ज़बरदस्त है,
ग़ालिबुहुम या मौजूदन
ख़बरदार हो कि ख़ुदा वाले यक़ीनन
अिन्दश्शदाइदि अम्मय
ग़ालिब रहेंगे, बेशक मेरा हिमायती वही

युजीबुल मुज़तर-र इज़ा दआहु
अल्लाह है जिसने यह किताब नाज़िल
क-त-बल्लाहु लअग़लिबन-न
की है, और वही अपने नेक बन्दों से
अना व रुसुली इन्नल्ला-ह
दोस्ती रखता है, हमने उन हंसने वालों
क़वीय्युन अ़ज़ीज़० अला इन-न
के शर से तुम्हारी किफ़ायत की है फिर
हिज़्बल्लाहि हुमुल ग़ालिबून०
हमने उन लोगों को जो ईमान लाये थे
इन-न वलिय्यि यल्लाहुल्लज़ी
उनके दुश्मनों के ख़िलाफ ताईद की थी
नज़्ज़लल किता-ब व हु-व
तो वह लोग ग़ालिब रहे थे, सिवाए
य-तवल्लस्सालिही-न इन्ना
ख़ुदाए यकता के कोई माबूद नहीं है वह
कफ़ैनाकल मुस्तहज़िईन० फ
अकेला है जिसने अपने वादा को पूरा
अय्यद नल्लज़ी-न आमनू
किया, और अपने बन्दा को मदद पहुंचाई

दुआए सबा

अ़ला अ़दुव्विहिम फ अस्ब-हू
और अपने गिरोह को क़ुव्वत दी और
ज़ाहिरीन० ला इला-ह इल्लल्लाहु
उसने अकेले ही दुश्मन की टोलियों को
वह्द-हु अन-ज-ज़ वअ़दहु व
शिकस्त दे दी, उसी के लिए सलतनत
न-स-र अ़ब्दहु व अअ़ज़-ज़ जुन्दहु
है, और उसी के लिए हर तरह की
व ह-ज़-मल अहज़ा-ब वहदहु
तारीफ़ ज़ेबा है, तमाम आलमों के
फ-लहुल मुल्कु व ल-हुल
मालिक अल्लाह के लिए हर तरह की
हम्दु अल्हम्दु लिल्लाहि
तारीफ़ साबित है, मैंने सुबह की है
रब्बिल आ़लमीन० अस्बहतु
ख़ुदाए ताला के महफ़ूज़ इहाता में जिस
फ़ी हिमल्लाहिल्लज़ी ला
पर कोई दस्तदराज़ी नहीं कर सकता
युस्तबाहु व फ़ी
और (मैं) ख़ुदाए ताला की जमानत में हूं

ज़िम्मतिहिल-लती ला

जो टूट नहीं सकती और मैं ख़ुदाए ताला

तुफ़-ज-रु व फ़ी

के पड़ोस में हूं जिसे कोई रोक नहीं

जवारिल्लाहिल्लती ला

सकता और मैं ख़ुदाए ताला की इज़्ज़त

तुस-त-ज़ल्लु व ला तुक़हरु व

की पनाह में हूं जिसे कोई ज़िल्लत से

फ़ी हिज़बिहिल्लज़ी ला

नहीं बदल सकता और न कोई उस पर

युहज़मु व फ़ी जुनदिहिल्लज़ी

ग़ालिब आ सकता है, और मैं उसी के

ला युग़लबु व फ़ी हरीमिहिल्लज़ी

गिरोह में हूं जिसे शिकस्त नही दी जा

ला युस्तबाहु बिल्लाहि

सकती और मैं उसी लश्कर में हूं जो

इफ़्ततहतु व बिल्लाहि

मग़लूब नहीं किया जा सकता और मैं

इस्तन्जहतु व त-अ़ज़्ज़तु व

उसी के एहाता में हूं जिस पर कोई क़ाबू

दुआए सबा

त-अ़व्वक़तु वन्तसरतु व बि

नहीं पा सकता और अल्लाह के ज़रिया

इज़्ज़तिल्लाहि क़वैतु अ़ला

से मैंने अपना (काम) शुरू किया और

अअ़दाई बि ज़लालिल्लाहि व

ख़ुदा ही के सहारे से कामयाबी हासिल

किबरियाइहि ज़हरतु अ़लैहिम

की, क़ुव्वत पकड़ी, पनाह ली, ग़ालिब

व क़हरतुहुम बि हौलिल्लाहि

आया और उसी के ज़ोर की वजह से

व क़ुव्वतिहि व तक़व्वैतु

अपने दुश्मनों के मुकाबला में ताक़तवर

वह-त-रस्तु वस्तअ़न्तु

रहा, उसी के जलाल और उसी की

अ़लैहिम बिल्लाहि व फ़व्वज़्तु

बुज़ुर्गी की बदौलत उन पर ग़ालिब आया

अम्री इलल्लाहि हस्बियल्लाहु

और अल्लाह ही की क़ुदरत से और उसी

व निअ़मल वकील० व

की क़ुव्वत से मैं ने उनको दबा लिया, मैं

तराहुम यंज़ुरू-न इलै-क व

क़वी साबित हुआ और महफ़ूज़ रहा और

हुम ला युब्सिरून० सुम्मुन

मैंने उनके बर ख़िलाफ़ अल्लाह ही से

बुक्मुन उम्युन फ़हुम ला

मदद मांगी मैं ने अपना सारा मामला

यरजिऊन० अता अम्रुल्लहि

अल्लाह के ही सुपुर्द कर दिया। अल्लाह

अलत् कलिमतुल्लाहि व

ही काफ़ी है और वही सबसे अच्छा

लाहत हुज्जतुल्लाहि अला

कारसाज़ है, और तुम देखोगे कि वह

अअ़दाइल्लाहिल फ़ासिक़ीन०

तुम्हें आंखे खोल कर देख रहे हैं हालांकि

व जुनूदि इब्ली-स

उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता वह बहरे

अज्मअ़ीन० लैंय यजुर्रुकुम

गोंगे और अंधे हैं अब वह कुफ़्र से पलटने

इल्ला अजन० व इयं

के क़ाबिल भी नहीं रहे, ख़ुदा का हुकम

दुआए सबा

युक़ातिलूकुम युवल्लूकुमुल

आ गया, अल्लाह को बोल बाला रहा,

अद्बार० सुम-म ला

अल्लाह की हुज्जत अल्लाह के लिए

युंसरून० ज़ुरिबत अ़लैहिमुज

नाफ़रमान दुश्मनों पर इबलीस के सब

ज़िल्लतु वल मस-क-नतु

लश्करों पर खुल गई, सिवाऐ ईज़ा

ऐनमा सुक़िफ़ू उख़िज़ू व

पहुंचाने के वह हर्गिज़ तुम्हारा कुछ न

क़ुत्तिलू तक़्तीला० ला

बिगाड़ सकें और अगर यह तुमसे लड़ेंगे

युक़ातिलूनकुम जमीअ़ीन०

तो पीठ दिखायेंगे फिर उनकी मदद न

इल्ला फ़ी क़ुरम्मुहस-स-न

की जाये उनके लिए ज़िल्लत और

तिन औ मिवं वराइ जुदुर०

अफ़लास की बला मुक़र्रर हो गई है,

बअसुहुम बैनहुम शदीद०

जहां कहीं वह पाये जायेंगे और ऐसे

अहवालि हैरानुन क़द् हुफ़्-फ़
साथ मैंने अपने बचाने का सामान किया
बिल महानति व उल्बि-स
और मैंने सुलेमान बिन दाऊद
बिज़्ज़ुल्लि वस्सिग़ारि व
अलैहिमुस्सलाम की अंगूठी पहन ली अब
कुम्मि-अ़ बिस्सफ़ा दि व
मैं जहां कहीं भी जाऊं अमान व
ज़रब्तु अ़ला नफ़्सी सुरादिक़ल
इतमिनान से हूं और मेरा दुश्मन तरह
हयातति व अदख़ाल्तु
तरह की हिरास (ख़ौफ़) में सरगर्दां और
अ़लैय-य हयाकि-लल हैबति व
परेशान है, चारों तरफ़ से इहानत और
त-तव्वन्तु बि ताजिल
रूसवाई में घिरा हुआ है, ज़िल्लत व
करामति व तक़ल्लद्तु बि
हिक़ारत उस पर छाई हुई है और बेड़ियों
सैफ़िल इज़्ज़ल लज़ी ला
में जकड़ा हुआ है और मैंने अपनी ज़ात

दुआए सबा

युफ़ल्लु व ख़ाफ़ीतु अनिल
की हिफ़ाज़त के लिए (अपने अतराफ़)
अ़यूनि व तवारैतु अनिज़्ज़ुनूनि
ख़ेमा बना लिया है, और अपने सर पर
व अमिन्तु अ़ला रूही व
करामत का ताज पहन लिया है और
सलिम्तु अ़न अअ़दाई फ़हुम
अपनी गर्दन में इज़्ज़त की ऐसी तलवार
ली ख़ाज़िअ़-न व अ़न्नी
डाल ली है जो कभी न गंद होने वाली
ख़ाइफ़ू-न व मिन्नी
है, मैं बद बीनों की नज़रों से पौशीदा हो
नाफ़िरून क-अन्नहुम
गया हूं और बदगुमानियों से अलाहिदा,
हुमुरुम्मुस्तन्फ़िरः फ़र्रत मिन
मैं अपनी रूह के मुतअल्लिक मुतमइन हूं
क़स्वरः क़सुरत ऐदीहिम
और अपने दुश्मनों से महफ़ूज, अब वह
अ़म्बुलूग़ि मा युअ़म्मिलूनहु
मेरे आगे गिड़ गिड़ाते हैं और मुझसे

फ़ी-यय व सुम्मत आज़ानुहुम
ख़ौफ़जदा हैं और मुझसे इस तरह भागते
अ़न समाअ़ि कलामिन
हैं जिस तरह जंगली गधे शेर से भागते
युअज़ीनी व अ़मियत
हैं, मेरे बारे में जो आरज़ुऐं रखते हैं उन
अब्सारुहुम अ़न्नी व
तक पहुंचने से उनका हाथ कोताह हो
ख़-र-सत अल्सिनतुहुम अ़न
गये हैं, जिन बातों से मुझे तकलीफ़
ज़िक्री व ज-ह-लत अ़क़्लुहुम
पहुंचा करती थी वह बातें सुनने से
अ़म मअ़रिफ़्ती व तख़ौव्वफ़त व
उनके कान बहरे हो गये, मेरी तरफ़
ख़ाफ़्फ़त क़ुलूबुहुम मिन्नी
देखने से उनकी आंखें अंधी हो गईं, मेरा
वर-त-अ-दत फ़राइसुहुम
ज़िक्र करने से उनकी ज़बान गोंगी हो
मिम्मख़ाफ़ती वन्फ़ल-ल
गईं, उनकी अक़्लें मेरी शनाख़्त से

हद्दुहुम वन-क-स-रत
आजिज़ हो गई हैं, और उनके दिलों पर
शौकतुहुम वन्हल-ल अ़ज़्मुहुम
मेरी दहशत छा गई है, और मेरे ख़ौफ़ से
व त-श्टत जम्अ़ुहुम
उनके बन्द कांपने लगे हैं, उनकी तमाम
वफ़-त-र-क़त ऊमूरुहुम
तेज़ी घट गई और शान व शौकत टूट
वख़्त-ल-फ़त कलिमातुहुम
कर रह गई, उनके इरादों को कस बल
व ज़-अ़-फ़ जुन्दुहुम
निकल गया, और उनको मजमा मुंतशिर
वज-ह-ज़-म जैशुहुम फ़-वल्लौ
हो गया, उनके मामलात प्रागंदा हो गये
मुदबिरीन स-युहजमुल जम्अ़ु
और उनके हाथों में एख़्तेलाफ़ पड़ गया,
व युवल्लूनद्दुबुर बलिस्साअ़तु
उनको जत्था कमज़ोर हो गया और
मौअ़िदुहुम वस्साअ़तु अद्हा
उनका लश्कर शिकस्त खा गया, यह

व अमर्र अ़लौतु अ़लैहिम बि
लोग पीठ फेर कर भाग गये, अ़क़रीब
अ़लुव्विल्लाहिल्लज़ी का-न
इस गिरोह को खुली हुइ हज़ीमत हुई
यअ़लू बिहि अ़लीय्युन
और यह पीठ दिखायेंगे, बात यह है कि
अ़लैहिस्सलाम साहिबुल
क़यामत उनके वादे का दिन बड़ा ही
हुरूबि व मुनक्किसुर रायाति
सख़्त और बड़ा ही तल्ख़ है, मैं खुदावन्द
व मुफ़र्रिकुल अक़रानि व
क़दीर के ज़रिया से उन पर ग़ालिब
त-अ़व्वज़तु मिन्हुम बिल
आया कि जिसके ज़रिये से हज़रत अली
अस्माइल हुस्ना व कलिमा
अलैहिस्सलाम जो बहुत सी लड़ाईयां
तिहिल अ़ल्या व ज़हर्तु अ़ला
लड़ने वाले (दुश्मनों के) झण्डे सरनिगूं
अअ़दाई बिबअसिन शदीद०
करने वाले हमअसरों में जुदाई डालने

व अम्रिन अ़तीद० व
वाले थे और हमेशा ग़ालिब आया करते
अज़्लल्तुहुम व क़-मअ़तु
थे, मैंने उन (दुश्मनों) से बचने के लिए
रुऊसहुम व वतिअ-तु
ख़ुदा के असमाऐ हुस्ना और उनके
रिकाबुहुम व ज़ल्लत
बुलन्द कलिमात की पनाह मांगी, और मैं
अअ़नाक़ुहुम ली ख़ाज़ि-अ़
अपने दुश्मन पर बड़े ज़ोर व शोर से
तन क़द ख़ा-ब मन नावानी
और साज़ो सामान के साथ ग़ालिब आया
व ह-ल-क मन आ़दानी फ़
और मैं ने उनको ज़लील किया और
अनल मुअय्यदुल महबूरुल
उनके सर तोड़ दिये, उनके गर्दनों पर
मुज़फ़फ़रुल मंसूरु क़द
पाओं रखे और उनकी गर्दनें मेरे सामने
लज़िमत्नी कलिम-तुत तक़्वा
ज़लील हो कर झुक गई, जिस जिस ने

दुआए सबा

अ-ह-दुन कुल इन्नमा अद्अू
और न हासिदों का हसद, न कभी कोई
रब्बी ला उश्रिकु बिहि
मुझे देखेगा और न कभी कोई मुझे
अ-ह-दन या मु-त-फ़ज़्ज़िलु
पायेगा और न कभी कोई मुझ पर किसी
तफ़ज़्ज़ल अलैय-य बिल
तरह का क़ाबू हासिल कर सकेगा, तुम
अम्मिन अ़ला रुही
यह कह दो कि मैं अपने परवरदिगार को
वस्सलामति मिन अअ़दाई व
पुकारता हूं किसी को उसका शरीक नहीं
हुल बैनी व बै-नहुम बिल
ठहराता, ऐ फ़ज़्ल फ़रमाने वाले मुझ पर
मलाइकतिल ग़िलाज़िश्शिदा
इस तरह फ़ज़्ल फ़रमा कि मेरी रूह को
दि व अैय्यिदनी बिल जुनूदिल
अमन व अमान मिले और मुझे मेरे
कसीरति वल अरवाहिल
दुश्मनों से महफ़ूज़ रख, और मेरे और

दुआए सबा

वस्तम्सक्तु बिल अुर वतिल
मेरा मुक़ाबला किया वह यक़ीनन नाकाम
वुस्क़ा वअ़त-सम्तु बिल
रहा, और जिसने मुझसे दुश्मनी की वह
हबलिल मतीन० फ़ लयं
हलाक हुआ, पस मैं ख़ुदा की मदद से
यजुर्रनी बग़्युल बाग़ी-न वला
ख़ुश हूं और मुज़फ़्फ़र व मंसूर हूं,
कैदुल काइदीन वला ह-सदुल
कलिमा तक़्वा का मेरे साथ है, और
ह़ासिदीन अ-ब-दल
ख़ुदा की मज़बूत रस्सी मेरे हाथों में है
आबिदी-न व दहरद्दाहिरी-न
और रस्सी की ज़बरदस्त डोरी का मुझे
फ़ लन यरानी अ-ह-दुन व
सहारा है, अब हमेशा हमेशा के लिए न
लयं यज़ि-द-नी अ-ह-दुवं व
मुझे बग़ावत करने वालों की बग़ावत मुझे
लयं यक़दि-र अ़लैय-य
नुक़सान देगी और न फ़रेबियों का फ़रेब

मुतीअ-ति फ यहसिबूनहुम
उनके माबैन गैज़ व ग़ज़ब वाले फ़रिश्तों
बिल हुज्जतिल बालि-ग़ति व
को हामिल कर दे और कसीरूत्तादाद
यक़्ज़ि फ़ू-नहुम बिल
अफ़वाज से और अताअत करने वाली
अहज़ारिद्दामि-गति व
रूहों के ज़रिया से मेरी ताईद फ़रमा कि
यज़रिबूनहुम बिस्सैफ़ि
वह ग़ालिब आने वाले दलाएल की उन
क़ातिअ-व यरमूनहुम
पर बोछार कर दें, और सर तोड़ने वाले
बिश्शहाबिस्साक़िबि वल
पत्थर उन पर बरसायें और कांटे वाली
हरीकिल लाहिबि वश्वाज़िल
तलवारें उन पर लगायें और टूटने वाले
मुहरिक़ि व युक़्ज़फ़ू-न मिन
सितारे, शोला उठती हुई आग, और
कुल्लि जानिबिन दुहूरन व
झुलसाने वाले शोले उन पर फैंके और

दुआए सबा

ल-हुम अज़ाबुन वासिब
हर तरफ़ से उन पर ज़िल्लत की मार
इल्ला मन ख़ा-तिफ़ल
पड़े और उनके लिए अज़ाब की बारिश
ख़ाट्फ़-त इन्नी क़ज़फ़्तुहुम व
हो, सिवाए इसके कि जिसे मौत उड़ाले
रजज़्तुहुम व दहरतुहुम व
जाऐ मैंने बिस्मिल्लाह हिर्रहमा निर्रहीम के
ग़-लब्तुहुम बि बिस्मिल्लाहिर
ज़रिया से ताहा और यासीन के ज़रिया
रहमानिर रहीम० व ताहा व
से, वज़्ज़ारियात और तवासीन के ज़रिया
यासीन वज़्ज़ारियाति
से, तंजील और हवामीम के ज़रिये से
वत्तवासीन वत्तन्ज़ी-ल वल
काफ़ हा या अैन साद और हामीम के
हवामी-म व काफ़ हा या
ज़रिया अैन सीन काफ़ और वाव काफ़
अैन साद व हा मीम अैन सीन
के ज़रिये से, मा यस्तरू और मवाके

काफ़ व काफ़ वल क़ुरआनिल
नुजूम के ज़रिये से, वत्तूर और
मजीद व नून वल क़-लमि मा
किताबिम्मस्तूर के ज़रिये से, फ़ी
यस्तुरून व बि मवाकिअ़िन
रक़िम्मंशूर के ज़रिया से, बेते मामूर के
नुजूम वत्तूर व किताबिम
ज़रिया से, सक़िफ़ल मरफ़ू के ज़रिये से,
मस्तूर फ़ी रक़िम्मंशूर०
बह्रिल मस्जूर के ज़रिया से, और इन्न
वल्बैतिल मअमूर०
अज़ाब रब्बि क लवाक़े के ज़रिये से
वस्सक़िफ़ल मरफ़ूअ़० वल
मालहु मिन दाफ़े के ज़रिय से उन्हें दे
बहरिल मस्जूर० इन-न
मारा और दे पटका, ज़लील किया और
अ़ज़ा-ब रब्बि-क लवाक़िअ़
मग़लूब किया पस! वह पीठ फेर का भागे
माल-हु मिन दाफ़िअ़िन
और पिछले पेरों वापस हुए और अपने

दुआए सबा

फ़वल्लौ मुदबिरीन व अ़ला
अपने घरों में बैठे के बैठे रह गये, पस
अअ़क़ाबिहिम फ़ी दियारिहिम
इस तरह हक़ साबित हो गया और जो
जासिमी-न० फ़- व-क़-अ़ल हक़्क़ु
अमल वह कर रहे थे सब बातिल हो
व ब-त-ल मा का-नू
गया, जादूगर वहीं के वहीं मग़लूब और
यअ़म-लून० फ़ गुलिबू
ज़लील होकर रह गये और सब के सब
हुनालि-क वन-क़-ल-बू
सजदे में गिर पड़े, चुनांचे जो जो चाले
साग़िरीन व उल्क़िय्यस स-ह-रतु
वह चले अल्लाह ने उनकी ख़राबियों से
साजिदीन० फ़-वक़ाहुल्लाहु
उसे बचाये रखा, और जिस चीज़ की
सैय्यिआति मा म-क-रू व
वह हंसी उड़ाया करते थे उसी ने उनको
हा-क़ बिहिम मा का-नू बिहि
आ घेरा और बुरे से बुरे अज़ाब से

यस्तह्ज़ि ऊन० व हा-क़
फ़िरऔन के सारे कुंबे को घेर लिया और
बिआलि फ़िरऔ-न सूअल
वह एक चाल चले और अल्लाह बदला
अ़ज़ाब० व म-करू व
देने के लिए एक चाल चला और
म-क-रल्लाहु वल्लाहु ख़ैरुल
अल्लाह सबसे बेहतर बदला देने वाला
माकिरीन० अल्लज़ी-न का-ल
है, ऐसे भी लोग हैं जिन से आदमियों ने
लहुमुन्नासु इन्नन्ना-स क़द
कहा कि लोगों ने तुम्हारे ख़िलाफ़ बड़ा
ज-म-अू लकुम फ़ख़्शौहुम फ़
एका कर लिया है, लेहाज़ा उनसे डरो
ज़ादहुम ईमाना० व कालू
तो इस ख़बर ने उनका ईमान और बढ़ा
हस्बुनल्लाहु व निअ़मल
दिया, और उन्होंने यह कह दिया कि
वकील० फ़ न-क़-लबू
हमारे लिए अल्लाह काफ़ी है, और सबसे

दुआए सबा

बिनिअ़मतिम मिनल्लाहि व
बेहतर कारसाज़ है, पस ख़ुदा की नेमत
फ़ज़्लिंल लम यम्सस्हुम सूउवं
और फ़ज़्ल उनके शामिले हाल हो गये
वत-त-बअू रिज़्वानल्लहि
और उनको कोई तकलीफ़ न पहुंची और
वल्लाहु ज़ू फ़ज़्लिन अ़ज़ीम०
वह ख़ुशनूदी–ए–ख़ुदा के पैरू रहे और
अल्लाहुम-म इन-नी अऊ़ज़ु
अल्लाह बड़ा फ़ज़्ल करने वाला है। या
बि-क मिन शुरूरिहिम व
अल्लाह मैं उनकी शरारतों से तेरी पनाह
अद-र-उबि-क फ़ी नुहूरिहिम
मांगता हूं और उनसे बचाने के लिए तुझ
व अस्अलु-क मिन ख़ैरि मा
को ही काफ़ी समझता हूं। या अल्लाह
अ़िंदि-क या अल्लाहु फ़
जो ख़ैर व आफ़ियत तेरे पास है मैं उसी
स-यक्फ़ी-क-हुमुल्लाहु व
का तुझसे सवाल करता हूं हां अंक़रीब

उहजुब्बैनी व बै-न अअ़दाई
दी, ए अल्लाह तू मेरी और मेरे दुश्मनों
फ़ लयं यसिलू इलैय-य
के माबैन एक आड़ क़ायम करदे ताकि
अ-ब-दम बि शैइन यसूउनी
वह कोई चीज़ मुझ तक न पहुंचा सकें
व बैनी व बै-नहुम
जो मुझे तकलीफ़ दे, और मेरे और उनके
सित्रुल्लाहि इन-न
दरमयान अल्लाह का पर्दा है, और
सित्रल्लाहि का-न महफ़ूज़ा०
अल्लाह का पर्दा यक़ीनन महफ़ूज़ है और
हस्बियल्लाहु अल्लज़ी यक्फ़ी
अल्लाह मेरे लिए काफ़ी है जो हर ऐसी
माला यक्फ़ी अ-ह-दुन
चीज़ के लिए किफ़ायत करता है जिसके
सिवाहु व इज़ा क़रअतल
लिए उसके सिवा कोई भी किफ़ालत न
क़ुरआ-न ज-अल्ना बैन-क व
कर सके और जिस वक़्त तुम क़ुरान

दुआए सबा

हुवस्समीअुल अलीम०
उनसे तुम्हें बचाने के लिए अल्लाह ही
जिब्राईलु अयं यमीनी व
काफ़ी होगा और वह बड़ा सुन्ने वाला
मीकाईलु अयं यसारी व
और जानने वाला है, जिब्रईल मेरी दायें
मुहम्मदुन सल्लल्लाहु अलैहि
तरफ़ और मीकाईल मेरी बायें तरफ़ और
व आलिहि अमामी व
जनाबे मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि व
अमीरुलु मुअमिनीन०
आलिहि व सल्लम मेरे आगे और
अलैहिस सलामु वराई
अमीरुल मोमिनीन अलैहिस्सलाम मेरी
वल्लाहु तआला मुज़िल्लुन
पुश्त पनाही पर, और अल्लाह ताला मेरे
अलैय-य या मन ज-अ-ल
ऊपर साया किये हुए है, ऐ वह जिसने
बैनल बहरैनि हाजिज़न
दो समन्दों के दरमियान आड़ क़ायम कर

बैनल्लज़ी-न ला यूअमिनू-न
मजीद पढ़ते हो हम तुम्हारे माबैन और
बिल आख़िरा-रति
उन लोगों के माबैन जो आख़िरत पर
हिजाबम्मस्तूरा० व ज-अल्ना
ईमान नहीं रखते एक ख़ुफ़िया पर्दा
अ़ला क़ुलूबिहिम अकिन्नतन
क़ायम कर देते हैं, और हम उनके दिलों
अंय यफ़्क़-हूहु व फ़ी आज़ानिहिम
पर ग़लाफ़ चढ़ा देते हैं कि वह इसको न
वक़्रा व इज़ा ज़-कर-त
समझ सकें और हम उनके कानों में
रब्ब-क फ़िल क़ुरआनि
गिरानी पैदा कर देते हैं और जिस वक़्त
वहद-हू वल्लौ अ़ला
तुम क़ुरान मजीद में अपने परवरदिगार
अदबारिहिम नुफ़ूरा० इन्ना
को यकताई के साथ याद करते हो तो
ज-अल्ना फ़ी अआ़नाकिहिम
वह नफ़रत खाकर पिछले पाओं पलट

दुआए सबा

अग़्लालन फ़-हि-य इलल
जाते हैं बेशक हम ने उनकी गर्दनों में
अज़्क़ानि फ़-हुम मुक़म-हून०
तौक़ डाल दिये जो उनकी ठुड्डियों तक
व ज-अल्ना मिम बैनि
हैं इसी लिए उनके सर उठे के उठे रह
ऐदीहिम सद्दवं व मिन
गये और हमने उनके आगे एक दीवार
ख़ल्फ़िहिम सद्दन फ़
बना दी और उनको ढांप दिया है कि
अग़्शैनाहुम फ़हुम ला
अब वह कुछ नहीं देख सकते या
युबसिरून० अल्लाहुम्मज़्रिब
अल्लाह तू मेरे चारों तरफ़ हिफ़ाज़त की
अलैय-य सुरादि-क़
कनातें खड़ी कर दे कि जिन को हवा न
हिफ़्ज़िकल्लज़ी ला तहतिकुहुर
उड़ा सके और न नेज़े फाड़ सकें और
रियाहु वला तख़ारिकुहुर
मेरी रूह को अपनी रूहुल क़ुदुस के

रिमाहु व कि रुही बि रुहि
ज़रिये से बचा ले जिसे जिस शख़्स पर
कुदसिकल्लज़ी मन अल्के-तहु
भी तू डाल देता है, वही लोगों की
अ़लैहि अस़-ब-ह मुअ़ज़्ज़मन
नज़रों में बुज़ुर्ग हो जाता है और इंसानों
फ़ी अ़यूनिन्ना ज़िरीन व
के दिलों में उसकी बुराई बैठ जाती है,
क-बीरन फ़ी सुदूरिल ख़ल्कि
मुझे अच्छे अच्छे नामों के पढ़ने की और
अज्मअ़ीन० व वफ़्फ़िक़ ली बि
आला मिसालें बयान करने की तौफ़ीक़
अस्माइकल हुस्ना व
दे, और दुनिया व आख़िरत की जिस
अम्सालि कल अुल्या वअ़ल
ख़ैर व ख़ूबी की मैं उम्मीद रखता हूं इस
सलाही फ़ी जमीअ़ि मा
सबके हुसूल की सलाहियत अता फ़रमा
उअम्मिलुहु मिन ख़ैरिद्दुन्या
और लोगों की नज़रें मेरी तरफ़ से फिरा

दुआए सबा

वल आख़िरति वस्रिफ़ अ़न्नी
दे और उनके दिलों को उस बदी की
अब्सारन्नाज़िरीन वस्रिफ़
तरफ़ से जो वह मुझे पहुंचाना मद्दे
क़ुलूबहुम मिन शर्रि मा
नज़र रखते हों हटा कर उस नेकी की
युज़मिरुन इला ख़ैरि मा ला
तरफ़ मायल कर दे जिसका एख़्तियार
यम्लिकुहु अ-हुद०
कोई नहीं रखता, या अल्लाह तू मेरी
अल्लाहुम-म अन-त मलाज़ी
जाये पनाह है, मैं तेरी ही तरफ़ पनाह
फ़ बि-क अलूज़ु व अन-त
लेता हूं और तू ही मेरा ठिकाना है और
अ़याज़ी फ़ बि-क अअूज़ु या
मैं तेरी ही पनाह मांगता हूं ऐ वह जिसके
मन ज़ल्लत लहु रिकाबुल
सामने गर्दन कशों की गर्दनें झुक गईं
जबाबि-रति व ख़ा-ज़-अ़त
और जिसके हुज़ूर में बड़े बड़े फ़िरऔनों

लहु अअ़नाकुल फराअ़िन-ति
के सर ख़म हो गये तु मुझे रूसवा करने
अजिरनी मिन ख़िज़यि-क व
से और मेरे राज़ खोलने और मुझे अपनी
मिन कश्फ़ सित्रि-क व
याद भुला देने से और अपने शुक्रिया से
मिन निस्यानि ज़िक्रि-क
रूगर्दानी करने के से महफ़ूज़ रख मैं
वल इंसिराफ़ि अन शुक्रि-क
अपनी रात में, अपने दिन में, अपने वतन
अना फ़ी क-न-फ़ि-क फ़ी
में और अपने सफ़र में तेरी ही पनाह में
लैली व नहारी व व-त-नी व
हूं, तेरा ज़िक्र मेरा लिबास और तेरी
अस्फ़ारी ज़िक्रु-क शिआ़री
तारीफ़ मेरी चादर है या अल्लाह! मेरा
वस्सनाहु अ़लै-क दिसारी
ख़ौफ सुब्ह व शाम तेरे अमन व अमान
अल्लाहुम-म इन-न ख़ौफ़ी
की पनाह मांगता है पस तु मुझे रूसवा

दुआए सबा

अ स - ब - ह व अ म्स ा
होने से बचा और अपने बंदों के शर से
मुस्तजीरन बि अमानि-क फ़
भी बचाये रख और मेरे चारों तरफ़
अजिरनी मिन ख़िज़यि-क व
अपनी हिफ़ाज़त की क़नातें खड़ी कर दे
मिन शर्रि अ़िबादि-क वज़्रिब
और मुझे अपनी हिफ़ाज़त के अहाते में
अलैय-य सुरादि-क हिफ़्ज़-क
दाख़िल कर ले और मेरी रूह को अपनी
व अदख़िल्नी फ़ी हिफ़्ज़
तरफ़ ख़ैर व ख़ूबी के साथ महफ़ूज़
अ़िनायति-क व-क़ि रूही बि
फ़रमा और बुरे आदमी की इमदाद से
ख़ैरिम मिन-क वक़िफ़नी
मुझे मुस्तग़नी कर और बद ख़ुमास हम
मिम मअ़ून-ति इंसानि
नशीनों और बुरी साअत से और दुश्मनों
सौइवं व अअ़ूज़ुबि-क मिन
की शरारत से और बलाओं की आफ़त

करीनि सौइवं व साअ़ति
से तेरी ही पनाह मांगता हूं, रात और
सौइवं व शमाततिल
दिन की ख़ैर व बरकत के साथ आने
अअ़दाइ व जहदिल बलाइ व
वालों के अलावा आने वालों से तेरी
अ अ़ ज़ु बि-क मिन
रहमत के साथ ऐ सब रहम करने वालो
तवारिकिल्लैलि वन्नहारि
से ज़्यादा रहम करने वाले और ख़ुदा
इल्ला तारिकयं यत्स्कुबिख़ैरिन
अपनी रहमत नाज़िल फरमाये हजरत
बि रहम-ति-क या अरहमर
मुहम्मद मुस्तफ़ा और उनकी आले पाक
राहिमी-न व सल्लल्लाहु
अलैहिमुस्सलातो वस्सलाम पर हमारे लिए
अ ला मुहम्मदिव व
अल्लाह काफ़ी है और वही सबसे बेहतर
आलिहित्ताहिरी-न०
कारसाज़ है वही सबसे अच्छा आक़ा है

दुआए सबा

हस्बुनल्लाहु व निअ़मल
वही सबसे अच्छा मददगार है, रहमान व
वकील० निअ़मल मौला व
रहीम के नाम से शुरू करता हूं क़सम है
निअमन्नसीर० बिस्मिल्ला
धूप चढ़ते वक़्त की और क़सम है रात
हिर्रहमा निर्रहीम० वज़्ज़ुहा
की जब कि वह छा जाये। ऐ रसूल!
वल्लैलि इज़ा सजा० मा
तुम्हारा परवरदिगार न तुम से दस्त
वद्द-अ़-क रब्बु-क वमा क़ला
बरदार हुआ और न नाराज़ और तुम्हारे
व ललआख़िर-तु ख़ैरुल -ल-क
वास्ते आख़िरत दुनिया से कहीं बेहतर है
मिनल ऊला० व ल सौ-फ
और आगे चल कर तुम्हारा परवरदिगार
युअती-क रब्बु-क फ तरज़ा०
तुमको इस क़दर अता फ़रमायेगा कि तुम
अलम् यजिद्-क यतीमन
ख़ुश हो जाओगे, क्या उसने तुमको

फ़-आवा० व-व-ज-द-क

यतीम नहीं पाया और जगह दी और जब

ज़ाल्लन फ़-हदा०

तुम ना वाकिफ़ राह थे हिदायत से

व-व-ज-द-क आइलन फ़

सरफ़राज़ नहीं किया, और जब तुम्हें नादार

अग़्ना० फ़ अम्मल यती-म

देखा तो गनी बना दिया पस तुम भी यतीम

फ़ला तक़हर व अम्मस्साइ-ल

से सख़्ती के साथ पेश मत आओ और

फ़ला तंहर व अम्मा

सवाल करने वाले को हरगिज़ मत झिड़को

बिनिअम-ति रब्बि-क

और अपने परवरदिगार की दी हुई नेमतों

फ़-हद्दिस०

का ज़िक्र करते रहो।

दुआए सबा